ह.कें.वि. में निबंध प्रतियोगिता का किया आयोजन

प्रतियोगिता में निबंध लिखते विद्यार्थी। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 24 नवम्बर (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के परिप्रेक्ष्य में विधि विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'भारतीय संविधान एवं उभरती चुनौतियां' विषयक इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विधि विभाग के प्रभारी डा. प्रदीप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का मानना है कि इस तरह की प्रतियोगिताएं हमारे संविधान के मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करेंगी और वे देश के जिम्मेदार नागरिक के तौर पर सामने आएंगे। संविधान की आत्मा को समझे बिना स्वस्थ नागरिक समाज का निर्माण असंभव है। प्रो. कुहाड़ ने समाज द्वारा संवैधानिक नैतिकता तथा संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संविधान निर्माताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि मौजूदा दौर की चुनौतियों को संविधान निर्माताओं द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर ही सुलझाया जा सकता है।

विभाग के प्रभारी डा. प्रदीप सिंह ने संविधान दिवस के महत्व, उद्देशिका से अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने मौलिक अधिकार के साथ मौलिक कर्त्तव्यों को फोलो करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान एक जीवित दस्तावेज है जोकि मौजूदा चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

हकेंवि में हुई निबंध लेखन प्रतियोगिता

हकेंविवि में निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'भारतीय संविधान एवं उभरती चुनौतियां' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विधि विभाग के प्रभारी डॉ. प्रदीप सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं हमारे संविधान के मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करेंगी और वे देश के जिम्मेदार नागरिक के तौर पर सामने आयेंगे। उन्होंने बताया कि प्रो. कुहाड़ ने समाज द्वारा संवैधानिक नैतिकता तथा संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया है। विभाग के प्रभारी डॉ. प्रदीप सिंह ने संविधान दिवस के महत्व, उद्देश्य से अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने मौलिक अधिकार के साथ मौलिक कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान एक जीवित दस्तावेज है जो कि मौजूदा चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

हकेंवि में संविधान दिवस पर करवाई निबंध प्रतियोगिता

निबंध प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के परिप्रेक्ष्य में विधि विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'भारतीय संविधान एवं उभरती चुनौतियां' विषयक इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

विधि विभाग के प्रभारी डॉ. प्रदीप सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का मानना है कि इस तरह की प्रतियोगिताएं हमारे संविधान के मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करेंगी और वे देश के जिम्मेदार नागरिक के तौर पर सामने आएंगे। संविधान की आत्मा को समझे बिना स्वस्थ नागरिक समाज का निर्माण असंभव है। प्रो. कुहाड़ ने समाज द्वारा संवैधानिक नैतिकता तथा संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संविधान निर्माताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि मौजूदा दौर की चुनौतियों को संविधान निर्माताओं द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर ही सुलझाया जा सकता है।

विभाग के प्रभारी डॉ. प्रदीप सिंह ने संविधान दिवस के महत्व, उद्देशिका से अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने मौलिक अधिकार के साथ मौलिक कर्त्तव्यों को फॉलो करने का आह्वान किया। भारत का संविधान एक जीवित दस्तावेज है जो कि मौजूदा चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।